

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 266 □ रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

विजया दशमी की शुभकामनाएं



विजया दशमी पर्व के अवसर पर पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं और शुभचिंतकों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

कल अवकाश

विजयादशमी पर्व पर कल 20 अक्टूबर मंगलवार को हाईवे चैनल दफ्तर में अवकाश रहेगा। पाठकों को अगला अंक 21 अक्टूबर को मिलेगा।

- संपादक

ब्रेकिंग न्यूज

बीजेपी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी की तबीयत में सुधार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को 19 अक्टूबर को ओपीओ अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें छाती में संक्रमण के कारण 16 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने बताया कि 98 वर्षीय आडवाणी, न्यूरोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे और अस्पताल में रहने के दौरान उनकी स्थिति में सुधार हुआ। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक, आडवाणी ने कई दशकों तक भारतीय राजनीति में अहम भूमिका निभाई है और उप-प्रधानमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।



चूहा- सुनती हो, सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई अटक गई है..!

चुहिया- हां जी, धमकी-चमकी चलेगी तो रिहाई कैसे होगी..!

सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की रिहाई अटकी, एसईएम को धमकी मिलने पर दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। कांक्रोच जनता पार्टी के नेता रविवार को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में लगभग पांच घंटे तक इंतजार करते रहे। वे पार्टी के संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका की रिहाई के मामले में सुनवाई का इंतजार कर रहे थे, जो 14 अक्टूबर से न्यायिक हिरासत में हैं। हालांकि, मामले की सुनवाई करने वाले विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने धमकियों और मानसिक उत्पीड़न का हवाला देते हुए कार्यवाही को महज 8-



10 मिनट में ही खत्म कर दिया। इस वजह से, लगातार पांचवें दिन भी उनकी रिहाई का मामला अनसुलझा ही रह गया। वहां मौजूद लोगों के अनुसार, जब एसईएम जाने की तैयारी कर रहे थे, तब सरकारी

वकील ने कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए। सीजेपी सदस्यों का आरोप है कि सरकारी वकील तब सामने आए, जब इन दोनों की रिहाई को लेकर तीन दिनों तक कार्यवाही चली थी। बाद में पुलिस ने पुष्टि की कि एसईएम को मिली धमकियों की शिकायत के आधार पर एक एफआईआर दर्ज की गई है।



कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। इस दौरान नैरोगेज लाइन को ब्रॉडगेज के लिए भी रेल लाइन का विस्तार किया गया है। रेलवे ने ताड़ोकी से आगे रावघाट तक पटरियों बिछाई हैं। दोनों स्टेशनों के बीच करीब 91 किलोमीटर की दूरी बताई गई है। दी गई समय-

सारिणी के मुताबिक, रावघाट से ट्रेन सुबह 6:30 बजे रवाना होगी। यह सुबह 7 बजे ताड़ोकी, 8:25 बजे दल्लीराजहरा और 11:30 बजे दुर्ग पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन दोपहर 1:05 बजे रायपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन रायपुर से दोपहर 1:20 बजे रवाना होगी और 2:30 बजे दुर्ग पहुंचेगी। आगे के

विकल्प मिलने से सड़क परिवहन पर निर्भरता घट सकती है। रायपुर से रावघाट तक रेल कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्र के लोगों को राजधानी आने-जाने के लिए भी एक विकल्प मिलेगा। ट्रेन का किराया बस से कम रहने पर यात्री सड़क परिवहन के बजाय रेल से सफर करना पसंद कर सकते हैं। नई ट्रेन सेवा शुरू होने के बाद यात्रियों को रेल से जोड़ना रेलवे के लिए चुनौती हो सकता है। रायपुर-अभनपुर-राजिम रूट पर ट्रेन सेवा शुरू हुए करीब दो साल होने जा रहे हैं, लेकिन इस रूट पर यात्रियों की संख्या अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने की बात कही गई है। इसके उलट, रायपुर से ताड़ोकी के बीच रोजाना एक हजार से अधिक यात्री ट्रेन से सफर करते हैं। रेलवे को उम्मीद है कि रावघाट तक सेवा बढ़ने से नए यात्री जुड़ेंगे और राजस्व में भी इजाफा होगा।

बस्तर दशहरा में रथ का पहिया निकलने पर हंगामा ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प

बस्तर सांसद के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ और सुरक्षित तरीके से रथ परिक्रमा पूरी कराई

जगदलपुर, 19 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की फूल रथ परिक्रमा के दौरान उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब रथ का पहिया निकल गया। हादसे की आशंका को देखते हुए पुलिस ने जेसीबी और क्रेन की मदद से रथ की परिक्रमा कराने पर जोर दिया, लेकिन ग्रामीण पारंपरिक तरीके से रथ खींचने पर अड़े रहे। इसी बात को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। बाद में बस्तर सांसद महेश कश्यप के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ और सुरक्षित तरीके से रथ परिक्रमा पूरी कराई गई।



जानकारी के मुताबिक, फूल रथ की अंतिम परिक्रमा के दौरान रथ का पहिया निकल गया था। पहिया दोबारा लगाने के बाद ग्रामीण मिताली चौक के पास रथ खींचने पर अड़ गए। वहीं, पुलिस ने संभावित



हादसे को देखते हुए मशीनों की मदद से रथ खींचने की बात कही। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। दशहरा समिति के

पदाधिकारियों ने भी ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। सीएसपी सुमित कुमार के अनुसार, रथ का पहिया निकलने के बाद सुरक्षा को ध्यान में

रखते हुए जेसीबी की मदद से परिक्रमा कराने की जरूरत थी। ग्रामीणों के सहमत नहीं होने से विवाद की स्थिति बनी। बाद में सांसद महेश कश्यप के हस्तक्षेप के बाद ग्रामीण पुलिस की बात मानने को तैयार हुए और परिक्रमा संपन्न कराई गई।

दो दिन पहले भी हुआ था हादसा: बस्तर दशहरा की रथ परिक्रमा के दौरान दो दिन पहले भी विवाद हुआ था। उस दौरान फूल रथ निर्धारित मार्ग से हटकर पावर हाउस चौक की ओर चला गया था। इस दौरान दो स्कूटी रथ की चपेट में आ गई और रथ बिजली के खंभे से टकरा गया। खंभा गिरने से कई लोग घायल हो गए थे। लगातार हो रही घटनाओं के बाद रथ परिक्रमा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमला कोटा और गुजरात बॉर्डर से 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। बॉलीवुड अभिनेता अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में कोटा पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीनों से पूछताछ की जा रही है। इनमें से दो लोगों के रविवार को अभिनेता पर गोली चलाने में शामिल होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। टाइगर श्रॉफ की हत्या की कोशिश के मामले में कथित तौर पर शामिल तीन संदिग्ध शूटरों को राजस्थान के कोटा रेलवे

स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि तीनों से यात्रा कर रहे थे। आरोपियों में दो एक महाराष्ट्र का रहने वाला है। तीनों के लॉरिस बिश्नोई गिरोह से जुड़े होने की बात कही जा रही है। गोली चलाने वालों में शामिल रहेान और एक अन्य नाबालिग हरियाणा के सोनीपत के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं, श्रद्धिक कुमार उर्फ रोशन मुंबई का रहने वाला है। जानकारी के मुताबिक, श्रद्धिक कुमार उर्फ रोशन रैपिडो ड्राइवर है। तीनों ही संदिग्धों को पुणे-जयपुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12939) से हिरासत में लिया गया है।

मुंबई पुलिस कर रही है अंडरवर्ल्ड एंगल की जांच

मुताबिक, श्रद्धिक कुमार उर्फ रोशन रैपिडो ड्राइवर है। तीनों ही संदिग्धों को पुणे-जयपुर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या-12939) से हिरासत में लिया गया है।

नेशनल हाईवे में 13.49 ग्राम हीरा के साथ पकड़ा गया आरोपी पायलीखंड खदान क्षेत्र से चोरी कर बेचने की फिराक में था

धमतरी, 19 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। चौकी बिरेझर (थाना कुरुद) एवं साइबर सेल धमतरी को संयुक्त टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 146 नग बहुमूल्य हीरे जब्त कर हीरा तस्कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 10,15,200 रुपये है।



साइबर सेल एवं बिरेझर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

18 अक्टूबर को पेद्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि हा-30 मुख्य मार्ग पर कोझापुर नहर पुलिस के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से बहुमूल्य हीरे लेकर ग्राहक को तलाश में खड़ा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए बिरेझर पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने अपना नाम विनोद

अग्रवाल, उम्र 64 वर्ष, निवासी के.के. वाई, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से झिल्ली में लिपटे कुल 146 नग सफेद, चमकदार एवं पारदर्शी बहुमूल्य पत्थर बरामद किए गए। मेमोरैंडम कथन में आरोपी ने उक्त पत्थरों को वर्ष 2018 में गरियाबंद जिले के पायलीखंड खदान क्षेत्र से चोरी करना तथा अब उन्हें बेचने के लिए ग्राहक तलाशना स्वीकार किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 21(4) खान एवं खनिज अधिनियम तथा धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पाए जाने पर 19 अक्टूबर को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय, कुरुद के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

अटल आवास में लगी भीषण आग: दहशत में महिलाओं-बच्चों ने लगाई छलांग

बिलासपुर, 19 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। न्यायधानी बिलासपुर में मुक्तिधाम के पास बने अटल आवास के ग्राउंड फ्लोर पर रविवार की रात भीषण आग लग गई। रहवासियों में घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घरों में मौजूद थे। दहशत में कुछ महिलाओं और बच्चों ने जान बचाने के लिए पहले और दूसरे फ्लोर से छलांग लगा दी, जिसमें एक के घायल होने की सूचना है। गनिमत रही घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।



निकल रहे धुएँ को देखकर लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बना और उन्होंने बचने के लिए परिवार समेत छलांग लगा दी। बाद में आसपास रहने वाले लोगों ने रस्सी और कपड़े के सहारे महिलाओं और बच्चों को छत से उतारा। करीब 75 से

अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया। आग लगने के बाद आवास में रहने वाले लोगों ने बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन धुएँ और आग के कारण कई लोग भीतर ही फंस गए। स्थिति बिगड़ती देख लोगों में दहशत फैल गई। फंसे हुए

लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रस्सी के सहारे रेस्क्यू अभियान चलाया गया। बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के फंसे होने की सूचना मिलने के बाद राहत कार्य तेज किया गया। घटना की सूचना मिलने पर सरकंडा पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने देर रात आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई थी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि एक व्यक्ति के घायल होने की बात सामने आई है। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। सरकंडा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आग कैसे लगी और इससे कितना नुकसान हुआ, इसकी जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

सफर में होगी बचत: अब बस नहीं, ट्रेन से जा सकेंगे कुरुद-रावघाट

रायपुर, 19 अक्टूबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में रायपुर से कुरुद और रावघाट जाने वाले यात्रियों को दशहरे पर रेल कनेक्टिविटी की सौगात मिलने जा रही है। करीब 10 साल के लंबे इंतजार के बाद 20 अक्टूबर से कुरुद के लिए ट्रेन सेवा शुरू होने की जानकारी दी गई है। वहीं, रावघाट तक भी रेल सेवा का विस्तार किया जा रहा है। इससे यात्रियों को सड़क परिवहन के मुकाबले कम किराये में सफर करने का विकल्प मिलेगा। रेलवे के किराये के अनुसार, रायपुर से कुरुद तक ट्रेन से सफर करने के लिए 20 रुपये देने होंगे। दी गई जानकारी के मुताबिक, यह सफर बस के मुकाबले 40 रुपये सस्ता होगा। वहीं, रायपुर से रावघाट जाने पर यात्रियों को बस के मुकाबले 95 रुपये की बचत हो सकती है। करीब 10 साल बाद कुरुद क्षेत्र को रायपुर से सीधी रेल



कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। इस दौरान नैरोगेज लाइन को ब्रॉडगेज के लिए भी रेल लाइन का विस्तार किया गया है। रेलवे ने ताड़ोकी से आगे रावघाट तक पटरियों बिछाई हैं। दोनों स्टेशनों के बीच करीब 91 किलोमीटर की दूरी बताई गई है। दी गई समय-

सारिणी के मुताबिक, रावघाट से ट्रेन सुबह 6:30 बजे रवाना होगी। यह सुबह 7 बजे ताड़ोकी, 8:25 बजे दल्लीराजहरा और 11:30 बजे दुर्ग पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन दोपहर 1:05 बजे रायपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन रायपुर से दोपहर 1:20 बजे रवाना होगी और 2:30 बजे दुर्ग पहुंचेगी। आगे के

विकल्प मिलने से सड़क परिवहन पर निर्भरता घट सकती है। रायपुर से रावघाट तक रेल कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्र के लोगों को राजधानी आने-जाने के लिए भी एक विकल्प मिलेगा। ट्रेन का किराया बस से कम रहने पर यात्री सड़क परिवहन के बजाय रेल से सफर करना पसंद कर सकते हैं। नई ट्रेन सेवा शुरू होने के बाद यात्रियों को रेल से जोड़ना रेलवे के लिए चुनौती हो सकता है। रायपुर-अभनपुर-राजिम रूट पर ट्रेन सेवा शुरू हुए करीब दो साल होने जा रहे हैं, लेकिन इस रूट पर यात्रियों की संख्या अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने की बात कही गई है। इसके उलट, रायपुर से ताड़ोकी के बीच रोजाना एक हजार से अधिक यात्री ट्रेन से सफर करते हैं। रेलवे को उम्मीद है कि रावघाट तक सेवा बढ़ने से नए यात्री जुड़ेंगे और राजस्व में भी इजाफा होगा।

कर्नाटक सरकार का नया नियम: कर्मचारियों के मुख्यालय छोड़ने पर होगी कार्रवाई, अब कर्तव्य एप से लगेगी हाजिरी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (न्यूज चैनल)। कर्नाटक सरकार ने अपने अधिकारियों के लिए अपने कार्यक्षेत्र (मुख्यालय) में रहना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए सरकार ने कर्तव्य मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए जियोफेंसिंग पर आधारित एक नाइट-टाइम अटेंडेंस सिस्टम (रात के समय उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली) शुरू की है। इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहें, ताकि लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें और विकास परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। पहले चरण के रूप में, सरकार 1 नवंबर 2026 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले तालुक अस्पतालों और

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में काम करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए इस प्रणाली को पायलट आधार पर लागू करेगी। इस प्रणाली के तहत, डॉक्टरों को हर दिन रात 9 बजे के बाद 'कर्तव्य' एप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। ऐसा करते समय उन्हें अपने मुख्यालय के रूप में निर्धारित कस्बे, शहर या गांव की भौगोलिक सीमाओं के भीतर रहना होगा। जो अधिकारी और कर्मचारी स्वीकृत छुट्टी पर हैं, जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से अपने मुख्यालय के बाहर आधिकारिक ड्यूटी कर रहे हैं, या जिन्हें अपना मुख्यालय छोड़ने की पूर्ण अनुमति मिल चुकी है, उन्हें इस नियम से छूट दी जाएगी। हालांकि, उन्हें एप में अपनी छुट्टी या अनुमति का कारण स्पष्ट रूप से दर्ज करना होगा।

